

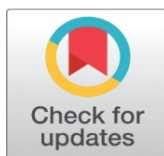
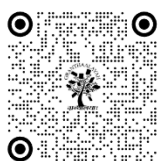
A STUDY OF THE IMPACT OF TEACHING EFFICIENCY OF TEACHERS WORKING IN GOVERNMENT AND PRIVATE EDUCATIONAL INSTITUTIONS ON STUDENTS' MOTIVATION IN THE CONTEXT OF RAIPUR DISTRICT

शासकीय एवं निजी शिक्षण संस्थानों में कार्यरत शिक्षकों की शिक्षण दक्षता का विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा पर पड़ने वाले प्रभाव का एक अध्ययन रायपुर जिला के संदर्भ में

Akhilesh Kumar Sharma ¹, Pragya Jha ²

¹ Research Scholar, Mats School of Education, Mats University, Gullu Arang, (CG), India

² Research Director, Education Department, Mats School of Education Arang, Mats University, Gullu Arang, (CG), India



DOI

10.29121/shodhkosh.v5.i1.2024.6244

Funding: This research received no specific grant from any funding agency in the public, commercial, or not-for-profit sectors.

Copyright: © 2024 The Author(s). This work is licensed under a [Creative Commons Attribution 4.0 International License](#).

With the license CC-BY, authors retain the copyright, allowing anyone to download, reuse, re-print, modify, distribute, and/or copy their contribution. The work must be properly attributed to its author.



ABSTRACT

English: To study the teaching efficiency of teachers working in government and private educational institutions, students of class 9th were selected as population in Raipur district and 200 teachers from 10 government and 10 private educational institutions were selected randomly as sample. Flanders' observation of class interaction analysis system was used to measure teaching efficiency. Survey method was used for research analysis and t-value was used for verification of hypotheses. The study found that there is no significant difference in the teaching efficiency of teachers working in government and private educational institutions. 200 students studying in government educational institutions and 200 students studying in private educational institutions of Raipur district have been selected, which includes both urban and rural students, including both boys and girls.

Hindi: शासकीय एवं निजी शिक्षण संस्थानों में कार्यरत शिक्षकों की शिक्षण-दक्षता का अध्ययन हेतु रायपुर जिले में जनसंख्या के रूप में कक्षा 9 वीं के विद्यार्थियों का तथा न्यादर्श के रूप में 10 शासकीय एवं 10 निजी शिक्षण संस्थानों के 200 शिक्षकों का यादृच्छिक रूप से चयन किया गया है। शिक्षण-दक्षता का मापनी के लिए फ्लैण्डर्स की कक्षा अंतःक्रिया विश्लेषण प्रणाली का अवलोकन का प्रयोग किया गया है। शोध विवेचना हेतु सर्वेक्षण विधि का प्रयोग तथा परिकल्पनाओं के सत्यापन के लिए टी-मूल्य का प्रयोग किया गया। अध्ययन में पाया कि शासकीय एवं निजी शिक्षण संस्थान में कार्यरत शिक्षकों की शिक्षण-दक्षता में सार्थक अंतर नहीं है। रायपुर जिले के शासकीय शिक्षण संस्थान में अध्ययनरत 200 एवं निजी शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत 200 विद्यार्थियों को चुना गया है जिसमें शहरी एवं ग्रामीण दोनों विद्यार्थी शामिल हैं जिसमें छात्र व छात्रा दोनों ही शामिल हैं।

Keywords: Government, Private, Teaching Efficiency, Motivation, Education, Teacher, School, Rural, Urban, Students, Behavior, Training, शासकीय, निजी, शिक्षण दक्षता, अभिप्रेरणा, शिक्षा, शिक्षक, विद्यालय, ग्रामीण, शहरी, प्रेरणा, विद्यार्थियों, व्यवहार, प्रशिक्षण

1. प्रस्तावना

अभिप्रेरणा विद्यार्थियों के शिक्षण दक्षता को प्राप्त करने में विशेष तौर पर सहायक होती हैं। बच्चों को शिक्षण कार्य में दक्षता लाने जैसे पढ़ने, लिखने, बोलने इत्यादि के लिए शिक्षक एवं अभिभावक द्वारा उन्हें अभिप्रेरित किया जाना आवश्यक है। शिक्षक एवं अभिभावक से प्रेरित होकर ही बालक अपने शिक्षण कार्य में दक्षता हासिल करता है। बालक समाज परिवार एवं वातावरण से भी अभिप्रेरित होता है। विशेष तौर पर अपने सहपाठी से प्रेरित होते हैं।

अधिगम के लिए अभिप्रेरणा अनिवार्य है। यह मूल व्यवहार और उसके विभिन्न स्वरूपों की पूर्ववर्ती सक्रिय पृष्ठभूमि का प्रतिनिधित्व करती है। अभिप्रेरणा वह कला है जो बालको के अंदर रुचि उत्पन्न करती है। जब भी बालक किसी कार्य या वस्तु में रुचि अनुभव नहीं करता है। प्रेरणा द्वारा उसकी रुचि को प्राप्त किया जा सकता है। स्वीकृत व्यवहार को जागृत करना, बनाये रखना तथा निर्देश देना विद्यालय की शिक्षा में प्रेरणा का ही कार्य है

2. समस्या कथन

शासकीय एवं निजी शिक्षण संस्थानों में कार्यरत शिक्षकों की शिक्षण दक्षता का विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा पर पड़ने वाले प्रभाव का एक अध्ययन रायपुर जिला के संदर्भ में।

अध्ययन की उद्देश्य

- 1) शासकीय एवं निजी, शहरी शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों की शिक्षण दक्षता का विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा पर प्रभाव का अध्ययन।
- 2) शासकीय एवं निजी ग्रामीण शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों की शिक्षण दक्षता का विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा पर प्रभाव का अध्ययन।

3. अध्ययन की परिकल्पनाएँ

- **H01** शासकीय एवं निजी शहरी एवं ग्रामीण शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों की शिक्षण-दक्षता का विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
- **H02** शासकीय एवं निजी, शहरी शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों की शिक्षण दक्षता का विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
- **H03** शासकीय एवं निजी, ग्रामीण शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों की शिक्षण दक्षता का विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

शोध विधि

सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

शोध उपकरण

विद्यार्थियों के अभिप्रेरणा को मापने के लिए टी. आर. शर्मा की उपलब्धि अभिप्रेरणा मापनी का प्रयोग किया गया है।

अध्ययन की जनसंख्या

प्रस्तुत शोध अध्ययन में रायपुर जिला के अंतर्गत शासकीय एवं निजी शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों को जनसंख्या हेतु चयनित किया गया।

अध्ययन की न्यादर्श

विद्यार्थियों की अधिगम क्षमता का अध्ययन करने के लिए रायपुर जिला के विभिन्न शासकीय एवं निजी शहरी व ग्रामीण शिक्षण संस्थानों के कक्षा 9 वीं के 400 विद्यार्थियों का चयन किया गया है।

4. वर्णनात्मक सांख्यिकीय

शोधकर्ता ने शासकीय एवं निजी शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों के अभिप्रेरणा का मध्यमान, प्रमाणिक विचलन ज्ञात कर टी-मूल्य ज्ञात किया। प्राप्त मध्यमान, प्रमाणिक विचलन व टी-मूल्य को निम्न सारणी में दर्शाया गया है।

सारणी संख्या 1 शासकीय एवं निजी, शहरी शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों की शिक्षण दक्षता का विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

क्र.सं.	चर	N	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	टी मूल्य	सार्थकता स्तर
1	शासकीय शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा	150	28.38	4.27	5.18	

2	निजी शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा	150	25.44	5.48		0.01 S
---	--	-----	-------	------	--	-----------

df 298 के लिए 0.01 का मान =2.59

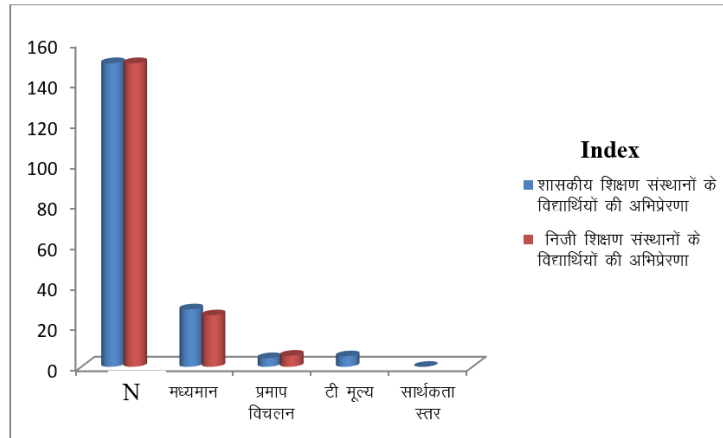
df 298 के लिए 0.05 का मान =1.97

विश्लेषण

प्रस्तुत सारणी संख्या 1 के अनुसार शासकीय व निजी शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों के मध्यमान क्रमशः 28.38 व 25.44 प्राप्त हुए हैं। मानक विचलन की गणना करने पर शासकीय व निजी शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों के मान 4.27 व 5.48 प्राप्त हुआ है। इनसे प्राप्त टी का मान 5.18 है जो कि 298 के लिए सार्थकता स्तर 0.01 पर सारणीयन मूल्य 2.52 से अत्यधिक है। अतः शून्य परिकल्पना शासकीय व निजी शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा में सार्थक अंतर नहीं है को अस्वीकृत किया जाता है।

चूंकि शासकीय शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों का मध्यमान निजी शिक्षण संस्थानों के मध्यमान विद्यार्थियों से अधिक है। इसीलिए कक्षागत परिस्थितियों में शासकीय शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा का स्तर निजी शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों से अधिक है। इससे स्पष्ट होता है कि शासकीय व निजी शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा में सार्थक अंतर होता है।

आरेख संख्या 1 शासकीय एवं निजी, शहरी शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों की शिक्षण दक्षता का विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा में कोई सार्थक अंतर नहीं है।



सारणी संख्या 2 शासकीय एवं निजी शहरी एवं ग्रामीण शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों की शिक्षण-दक्षता का विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

क्र.सं.	चर	N	मध्यमान	प्रमाप विचलन	टी मूल्य	सार्थकता स्तर
1	शहरी शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा	150	27.49	4.29	2.43	0.05 S
2	ग्रामीण शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा	150	26.15	5.21		

df 298 के लिए 0.01 का मान =2.59

df 298 के लिए 0.05 का मान =1.97

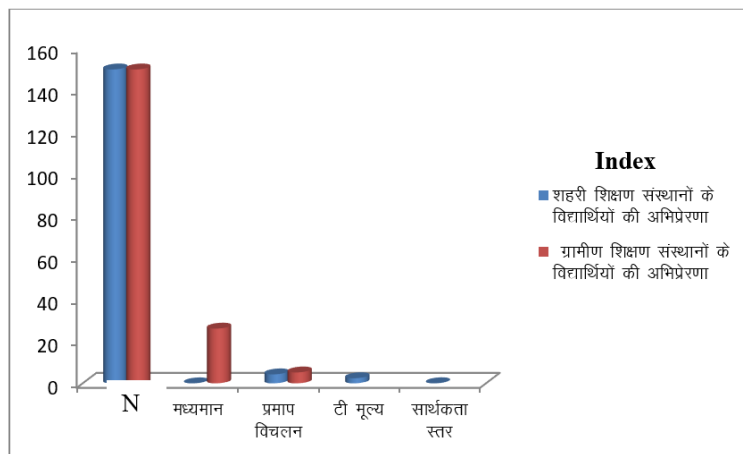
विश्लेषण

प्रस्तुत सारणी संख्या 2 के अनुसार शहरी व ग्रामीण शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों के मध्यमान क्रमशः 27.49 व 26.15 प्राप्त हुए हैं। मानक विचलन की गणना करने पर शासकीय व निजी शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों के मान 4.29 व 5.21 प्राप्त हुआ है।

इनसे प्राप्त टी का मान 2.43 है जो कि 298 के लिए सार्थकता स्तर 0.05 पर सारणीयन मूल्य 1.97 से अधिक है। अतः शून्य परिकल्पना शहरी व ग्रामीण शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा में कोई सार्थक अंतर नहीं है। को अस्वीकृत किया जाता है।

चूँकि शहरी व ग्रामीण शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों के मध्यमानों की तुलना करने पर शहरी शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों का अभिप्रेरणा स्तर अधिक उच्च स्तर का है। इसीलिए कक्षागत परिस्थितियों में शहरी शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा ग्रामीण शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों से अधिक है। इससे स्पष्ट होता है कि शहरी व ग्रामीण शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा में सार्थक अंतर होता है।

आरेख संख्या 2 शासकीय एवं निजी शहरी एवं ग्रामीण शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों की शिक्षण -दक्षता का विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा में कोई सार्थक अंतर नहीं है।



सारणी संख्या 3 शासकीय एवं निजी शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों की शिक्षण दक्षता का विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा में कोई सार्थक अंतर नहीं है। समूह

समूह	मध्यमान	प्रमाप विचलन	टी मूल्य	समूह	मध्यमान	प्रमाप विचलन	टी मूल्य
शासकीय शिक्षण संस्था के शिक्षक	51.84	6.57	2.90	शासकीय शिक्षण संस्था के विद्यार्थी	28.38	4.27	5.18
निजी शिक्षण संस्था के शिक्षक	47.09	6.99	S	निजी शिक्षण संस्था के विद्यार्थी	25.44	5.48	S

df =98 के लिए 0.01 का मान =2.62, df=298 के लिए 0.01 का मान =2.59

df =98 के लिए 0.05 का मान =1.98, df=298 के लिए 0.05 का मान =1.97

5. शिक्षक दक्षता का विश्लेषण

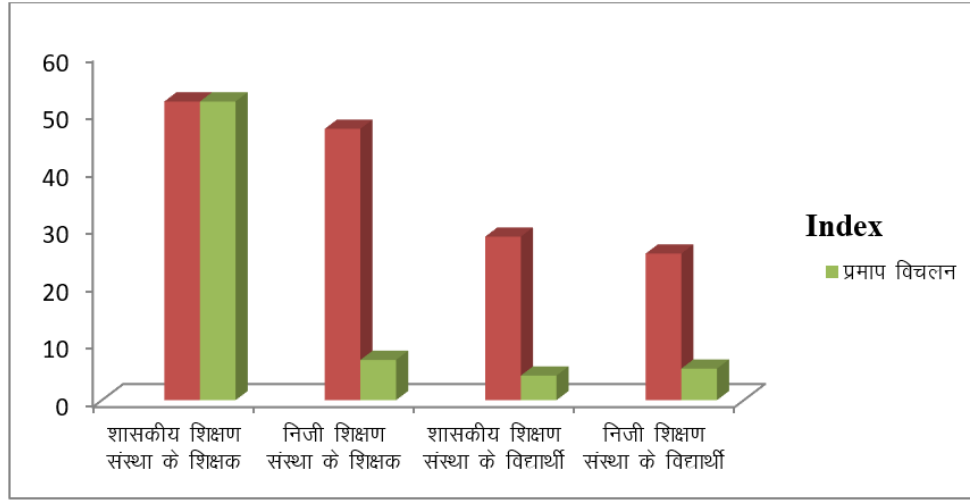
प्रस्तुत सारणी संख्या 3 के अनुसार शासकीय व निजी शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों की शिक्षण दक्षता के मध्यमान 51.84 व 47.9 प्राप्त हुए हैं। स्वतंत्रता स्तर 98 के लिए टी का मान 2.90 प्राप्त होता है जो की सार्थकता स्तर 0.01 के मान से अधिक है। अतः शासकीय व निजी शिक्षण संस्था के शिक्षकों की शिक्षण दक्षता में सार्थक अंतर है।

6. अभिप्रेरणा का विश्लेषण

शासकीय व निजी शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों के अभिप्रेरणा का मध्यमान क्रमशः 28.38 व 25.44 प्राप्त हुए हैं। स्वतंत्रता स्तर 298 के लिए टी का मान 5.18 प्राप्त हुआ है जो की सार्थकता स्तर 0.01 के मान 2.59 से अधिक है। अतः शासकीय व निजी शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा में सार्थक अंतर है।

निष्कर्षतः शासकीय शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों की शिक्षण दक्षता का मध्यमान अधिक होने के साथ ही वहाँ के विद्यार्थियों के अभिप्रेरणा स्तर भी अधिक है। जबकि निजी शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों की शिक्षण दक्षता कम होने के साथ ही वहाँ के विद्यार्थियों का अभिप्रेरणा स्तर भी कम है। शासकीय शिक्षण संस्थानों की शिक्षकों की शिक्षण दक्षता का विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा से सार्थक संबंध है। इसलिए शासकीय शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों की शिक्षण दक्षता का विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा पर सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

आरेख संख्या 3 शासकीय शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों की शिक्षण दक्षता का विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा में कोई सार्थक अंतर नहीं है।



सारणी संख्या 4 शासकीय एवं निजी शहरी व ग्रामीण शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों की शिक्षण दक्षता का विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

समूह	मध्यमान	प्रमाण विचलन	टी मूल्य	समूह	मध्यमान	प्रमाण विचलन	टी मूल्य
शहरी शिक्षण संस्था के शिक्षक	49.16	6.68	1.02	शहरी शिक्षण संस्था के विद्यार्थी	27.49	4.29	2.43
ग्रामीण शिक्षण संस्था के शिक्षक	50.06	7.36	NS	ग्रामीण शिक्षण संस्था के विद्यार्थी	26.15	5.21	S

df=9 के लिए 0.01 का मान =2.62, df=298 के लिए 0.01 का मान =2.59

df=98 के लिए 0.05 का मान =1.98, df=298 के लिए 0.05 का मान =1.97

7. शिक्षक दक्षता का विश्लेषण

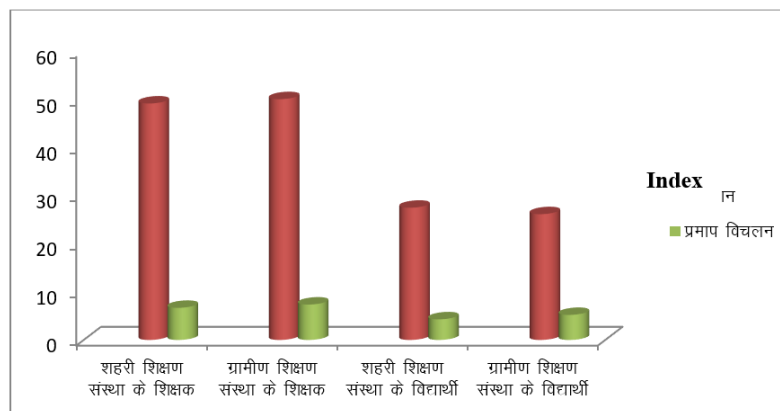
प्रस्तुत सारणी संख्या 4 के अनुसार शहरी व ग्रामीण शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों की शिक्षण दक्षता के मध्यमान 49.16 व 50.6 प्राप्त हुए हैं। स्वतंत्रता स्तर 98 के लिए टी का मान 1.02 प्राप्त हुआ है जो की सार्थकता स्तर 0.05 के मान से कम है। अतः शहरी व ग्रामीण शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों की शिक्षण दक्षता में सार्थक अंतर नहीं है।

8. अभिप्रेरणा का विश्लेषण

शहरी व ग्रामीण शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों के मध्यमान क्रमशः 27.49 व 26.15 प्राप्त हुए हैं। स्वतंत्रता स्तर 298 के लिए टी का मान 2.43 प्राप्त हुआ है जो की सार्थकता स्तर 0.05 के मान 1.97 से अधिक है। अतः शहरी व ग्रामीण शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा में सार्थक अंतर है।

निष्कर्षतः-ग्रामीण शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों की शिक्षण दक्षता का मध्यमान अधिक होते हुए भी वहाँ के विद्यार्थियों का अभिप्रेरणा स्तर अधिक नहीं है। परंतु शहरी शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों की शिक्षण दक्षता का मध्यमान कम होते हुए भी वहाँ के विद्यार्थियों का अभिप्रेरणा स्तर अधिक है। इसलिए ग्रामीण शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों की शिक्षण दक्षता का विद्यार्थियों के अभिप्रेरणा स्तर सार्थक संबंध नहीं है। ग्रामीण शिक्षण शिक्षकों की शिक्षण दक्षता का विद्यार्थियों के अभिप्रेरणा पर सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

आरेख संख्या 4 शासकीय एवं निजी शहरी व ग्रामीण शिक्षण संस्थानों शिक्षकों के शिक्षण दक्षता का विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा में कोई सार्थक अंतर नहीं है।



9. निष्कर्ष

शासकीय शिक्षण संस्थानों में शिक्षकों की शिक्षण दक्षता का मध्यमान निजी शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों की शिक्षण दक्षता से अधिक हैं। शासकीय शिक्षण संस्थानों के शिक्षक निजी शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों की अपेक्षा अधिक प्रभावी रूप से शिक्षण कार्य करते हैं। शासकीय शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा का मध्यमान निजी शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा के मध्यमान से अधिक हैं। कक्षागत परिस्थितियों में शासकीय शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थी, निजी शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों की अपेक्षा अधिक अभिप्रेरित हैं। शासकीय शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों की शिक्षण दक्षता का मध्यमान अधिक हैं। साथ ही वहाँ के विद्यार्थियों के अभिप्रेरणा स्तर भी अधिक हैं। जबकि निजी शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों की शिक्षण दक्षता कम हैं। साथ ही वहाँ के विद्यार्थियों का अभिप्रेरणा स्तर भी कम है शासकीय शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों की शिक्षण का विद्यार्थियों की अधिगमक्षमता से सार्थक संबंध है इसलिए शासकीय शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों की शिक्षण दक्षता का विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा पर सार्थक प्रभाव पड़ता है।

संदर्भ ग्रंथ

- कौल, लोकेश (2010) : शैक्षिक अनुसंधान की कार्य प्रणाली
 कपिल एच.के. (1982) : सांख्यिकी के मूल तत्व, विनोद पुस्तक मंदिर आगरा
 प्रसाद लोकेश के (2010) : अनुसंधान पद्धतिशास्त्र नई दिल्ली कोवरी युक्स
 भटनागर, ए. बी. मीनाक्षी, अनुराग, (2003) : एजुकेशनल साइकोलोजी, आर. लाल बुक डिपो जनवरी
 यादव, जितेन्द्र (2010) : "माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् शहरी व ग्रामीण छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर शिक्षकीय गुणवत्ता के कारण पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन", डम्कण प्रगति महाविद्यालय, रायपुर पृ. क्र. 8-10.
 यादव, सतीश कुमार (2009) : अध्यापक शिक्षा की समस्याएँ एवं चुनौतियों भारतीय आधुनिक शिक्षा
 शर्मा आर.ए. (2011) : शिक्षा में अनुसंधान के मूल तत्व एवं शोध प्रक्रिया आर लाल बुक डिपो
 ढौंडियाल. एस. एन. फाटक ए.बी. (2000) : शैक्षिक अनुसंधान का विधिशास्त्र जयपुर राज. हिंदी ग्रंथ अकादमी भटनागर
 मिश्रा, डॉ आरती, एवं वर्मा, श्रीमती संगीता: "उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा के प्रभाव का अध्ययन" International Journal of Creative Reserarch Thoughts , Vol-11, Issue-5, May 2023. Page. 1
 तिवारी,प्रो(डॉ) के.के. जायसवाल, कविता: "माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के अभिप्रेरणा का उनके शैक्षिक उपलब्धि का प्रभाव का अध्ययन" Shodhshauryam, International Scientific Refereed Research Journal, 2020,, Vol-3, Issue-3 , ISSN 2581-6306